मर्यादा महोत्सव का दूसरा दिन

धूमधाम से मनाया गया आचार्य महाप्रज्ञ का पट्टोत्सव

बीदासर 1 फरवरी।

राष्ट्रसंत आचार्य श्री महाप्रज्ञ का 15वां पदाभिशेक समारोह धूमधाम से मनाया गया। अणुव्रत आन्दोलन के प्रवर्तक आचार्य तुलसी ने भारत की राजधानी में विशाल जनमेदनी के समुख स्वयं के आचार्यपद का विसर्जन कर अपने उत्तराधिकारी युवाचार्य महाप्रज्ञ को आचार्य बनाया था। यह इतिहास की विलक्षण घटना थी। जहां आज चारों ओर पद पाने की अंधी दोड़ चल रही है। वहीं आचार्य तुलसी ने अपना पद छोड़कर अपनी मौजूदगी में युवाचार्य महाप्रज्ञ को आचार्य महाप्रज्ञ बनाकर देश के सामने आदर्श प्रस्तुत किया।

आज आचार्य महाप्रज्ञ के 15वें पदाभिषेक पर तेरापंथ भवन में सूर्योदय से पूर्व ही मंगल गीतों की स्वर लहरियां गुंजने लग गई। ब्रह्म बेला में समग्र साधु समुदाय की मौजूदगी में मुनि सुव्रत ने सुरीले कंठों से आचार्य प्रवर की अभ्यर्थना की। ''युवाचार्य श्री महाश्रमण ने शासन शेखर को शत-शत वंदन।'' गीत से मुनिवृंदों की तरफ से शतायु होने की मंगल कामना की। मुनि पारस ने अपने विचार रखे। मुमुक्षु बहिनों ने गीत की प्रस्तुति दी।

आचार्य महाप्रज्ञ ने अपने पदाभिषेक दिवस के प्रथम अभिभाषण में कहा कि मेरा सौभाग्य है युवाचार्य महाश्रमण जेसे विनीत उत्तराधिकरी मिले। मुझे इस बात की भी प्रसन्नता है कि तेरापंथ धर्मसंघ जैसा शासन मिला और आज्ञाकारी श्रावक समाज मिला। आचार्य प्रवर ने फरमाया कि मेरे गुरु कालुगणी के वरदहस्त ने मुझे विकास का अवसर दिया। आचार्य तुलसी के योग ने मेरे रास्ते सुगम बना दिये। इस अवसर पर उन्होंने बीदासर क्षेत्र की सरहाना की। इस मर्यादा महोत्सव व्यवस्था समिति के अध्यक्ष बाबूलाल सेखानी ने औतज्ञता ज्ञापित की।

आज हम अखिलेश का अभिनन्दन करते हैं

सूर्योदय का समय विशाल जनमेदनी, सैकड़ों साधु-साध्वियां, समणियां एवं मुमुक्षु बहिनों की उपस्थिति अपने प्रभु की अभ्यर्थना के स्वर। ऐसा ही दृश्य देखने को मिला कस्बे के तेरापंथ भवन में। सूर्योदय के बाद जब साध्वियों के साथ साध्वी प्रमुखा कनकप्रभा पहुंची तो आचार्य प्रवर के 15वें पदाभिषेक का अनायोजित कार्यक्रम आयोजित हो गया। सर्वप्रथम समणीगण ने आद्य प्रवर्तक आचार्य भिक्षु से वर्तमान समय तक युवाचार्य मनोनयन क्षणों पर ''भिक्षु की चादर'' गीत से प्रकाश डाला। मुनिगण ने सुजानगढ़ में आचार्य तुलसी के द्वारा की गई आचार्य पदाभिषेक की घोषणा की घटना को ''आज हम अखिलेश का अभिनन्दन करते हैं'' गीत से ताजा किया। साध्वी समुदाय ने दिल्ली में हुए पदाभिषेक समारोह के दृश्यों को अपने गीत से साक्षात करवाया। गीतों की शानदार प्रस्तुति ने आचार्य महाप्रज्ञ एवं युवाचार्य महाश्रमण को प्रसन्न कर दिया और युवाचार्य प्रवर ने प्रस्तुति देने वालों को 13-13 कल्याणक बक्शीष किये एवं गीत का निर्माण करने वालों को विशेष बक्शीस दी। इस मौके पर साध्वी राजीमति, साध्वी संघमित्रा ने भी अभिवंदना की। जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जसकरण चौपड़ा ने अपनी भावनाएं रखी।

'कोड़ दिवाली राज करो'

मर्यादा महोत्सव के मुख्य समारोह में आचार्य प्रवर के पदाभिषेक दिवस पर चारों ओर से ''कोड़ दिवाली राज करो'' भाव मुखर हो रहे थे। संत समुदाय ने सामुहिक गीत की प्रस्तुति को उक्त भावों में पीरोकर जनता को झूमने पर मजबूर कर दिया। साध्वीवृंद एवं समणीवृंद के गीत की प्रभावी प्रस्तुति ने भावविभोर कर दिया। मुनि धन्यकुमार, मुनि सुखलाल, मुनि राजेन्द्रकुमार, मुनि जितेन्द्रकुमार, मुनि अक्षयप्रकाश, मुनि स्वस्तिक कुमार, मुनि जंबूकुमार, मुनि मुदित कुमार व साध्वी परमयशा, साध्वी यशोधरा, साध्वी पुनीतय-ाा की प्रस्तुति पर युवाचार्य महाश्रमण ने कहा कि सभी प्रस्तुतियां गौर ही नहीं भावविभोर भी करने वाली थी।

उन्होंने सभी को 13-13 कल्याणक एवं संपूर्ण संघ को तीन महीने तक विगय वर्जन की छूट दी।

आचार्य श्री महाप्रज्ञ एवं युवाचार्य श्री महाश्रमण ने अपने अभिभाषण को कल के लिए रिजर्व किया।

बाल मुनियों की प्रस्तुति ने मन मोहा

आचार्य महाप्रज्ञ की अभिवंदना में बाल मुनियों की प्रस्तुति ने जन समुदाय को मोह लिया। मुनि गौतम, मुनि सुधांशु, मुनि आदित्य, मुनि अनुशासन, मुनि मृदु, मुनि गौरव ने अपनी कविताएं और गीत सुनाए तो उपस्थित हजारों लोगों ने ओम अर्हम की हर्ष ध्वनि की।

सदी के अंतिम दशक तक मार्ग दर्शन मिले

- साध्वी प्रमुखा कनकप्रभा

साध्वी प्रमुखा कनकप्रभा ने कहा कि आचार्य श्री महाप्रज्ञ 21वीं सदी का मार्गदर्शन करने वाले युगपुरुष है। आपने केवल धार्मिक लोगों का ही मार्गदर्शन नहीं किया हैं राजनीति, सामाजिक, सांस्औतिक धार्मिक सभी क्षेत्रों के लोगों का मार्गदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आचार्य तुलसी के सम्मेलनों को पूरा करने में आचार्यश्री महाप्रज्ञ का महत्त्वपूर्ण योगदान है।

साध्वी प्रमुखाश्री ने कहा कि तेरापंथ धर्मसंघ नन्दनवनसा धर्मसंघ है। इसके माल्यकार आचार्यश्री हैं। आचार्य प्रवर जो कर्म से उन्नत हैं उनको विनम्रता एवं जो हीन भावना रखते हैं उनको जीने की कला सिखाते हैं। इसलिए माल्यकार हैं। उन्होंने कहा कि आचार्य श्री काम कर रहे हैं पर जितना कर रहे हैं, इसका आकलन करना कठिन है, क्योंकि प्रकाश का कभी आकलन नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि आज यह वरदान दें कि आप सदी के अंतिम दशक तक विश्व का मार्गदर्शन करते रहेंगे।

अगला मर्यादा महोत्सव श्रीडूंगरगढ़ में

आचार्यश्री महाप्रज्ञ ने श्रीडूंगरगढ़ के श्रावक समाज के द्वारा चतुर्मास की भावपूर्ण अर्ज किये जाने पर फरमया कि हमने हमारे प्रवास को दो चतुर्मासों में बांट दिया है। वर्षावास का एक चतुर्मास और शेशकाल का दूसरा। वर्षावास का सब जगहों पर संभव नहीं है।

आचार्य महाप्रज्ञ ने शेषकाल का चतुर्मास श्रीडूंगरगढ़ में करने की घोषणा करवाते हुए कहा कि श्रीडूंगरगढ़ में मैंने अनेक नये कार्य प्रारंभ किये। संस्औत में भाषण देना हो या हिन्दी में प्रथम पुस्तक का लेखन हो। वहां की भूमि ऐतिहासिक हैं वहां लोगों की उत्औष्ट भावना को ध्यान में रखते हुए और द्रव्य, क्षेत्र, काल, भाव और स्वास्थ्य की अनुकूलता रहने पर अगला मर्यादा महोत्सव, होली चतुर्मास, महावीर जयंती एवं अक्षय तृतीया करने का विचार है। इस घोषणा के साथ ही जन समुदाय ने 'ओम अर्हम्' की हर्ष ध्वनि से अपनी प्रसन्नता की प्रस्तुति दी।

इससे पूर्व युवाचार्य महाश्रमण ने डूंगरगढ़ के श्रावकों के द्वारा की गई मांग को उचित बताया। तेरापंथ विकास परिषद के संयोजक लालचंद सिंघी एवं वरिष्ठ श्रावक कन्हैयालाल छाजेड़ की अगवानी में डूंगरगढ़ के श्रद्धालुओं ने अर्ज पेश की। आचार्य प्रवर की श्रीडूंगरगढ़ वासियों को शिक्षा के लिए बाहर जाने वाले लोगों के लिए उल्लेखनीय कार्य करने का इंगित करते हुए कहा कि वहां पर शिक्षा का भी ऐसा केन्द्र हो जिससे बाहर जाने वाले बाहर न जाए अपितु बाहर के विद्यार्थी डूंगरगढ़ आए।

विशेष :

बीदसर। मुनि जयंत कुमार ने बताया कि मर्यादा महोत्सव के मुख्य समारोह में आचार्य महाप्रज्ञ संघ के नाम सन्देश देंगे और सम्पूर्ण देश-विदेश में विहार करने वाले शिष्य-ि-ष्याओं के चातुर्मास की घोषणा करेंगे। उन्होंने बताया 12:15 बजे प्रारंभ होने वाले इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण संस्कार चैनल पर 122 देशों में किया जायेगा।

- अशोक सियोल
99829 03770